an>

Title: Regarding Business of the House.

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे (गुलबर्गा) : महोदया, मैं आपकी परमिशन लेकर अपनी बात रखना चाहता हूं...(व्यवधान)

श्री निशिकान्त दुबे (गोड्डा) : आप प्रश्न काल के बाद बोलिएगा।

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : दूबे साहब, अगर आप मेरी जगह होते तो मुझ से ज्यादा आप बोलते। लेकिन बदकिस्मती से आपको चांस भी नहीं मिल रहा है।

महोदया, सदन में दो-तीन बिल लाए गए हैं, जिनको पास करने का प्रयास हो रहा है। हमारा यह कहना है कि बिज़नेस ट्रांजैक्शन्स रूल्स के मुताबिक आज तक कोई भी बिल रेअरैस्ट ऑफ द रेअर केस में आपकी परमिशन से ही यहां आता है और सदन से पास होता है। लेकिन अब सप्लीमेंटरी बिजनेस के रूप में बिल को लाया जा रहा है। उस बारे में बिज़नेस एडवाइज़री कमेटी में डिसकस नहीं होता है। सड्नली बिल को सप्लीमेंटरी के रूप में लाया जाता है और उसे पास करने के लिए कहा जाता है। यदि यह रुख रहा तो यह ठीक नहीं है। पार्लियामेंटरी डेमोक्रेसी में स्टैंडिंग कमेटीज़ हैं, आप हैं। बिज़नेस एडवाइज़री कमेटी में आप तय कीजिए। आप जो भी तय करेंगी, हम उसको मानेंगे।

माननीय अध्यक्ष : हम आज दोपहर में बिज़नेस एडवाइज़री कमेटी में तय करेंगे।

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : लेकिन इसको ओवरराइड करके।

श्री अर्जुन राम मेघवाल (बीकानेर): नहीं कर रहे हैं।

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : ऐसा हो रहा है। आप इसको मान रहे हैं। आपके पास फुल मैजोरिटी है, इसलिए कुछ भी चलता है, यह ठीक नहीं है।

माननीय अध्यक्ष : हम बिज़नेस एडवाइज़री कमेटी में इस पर बात करेंगे। आप अभी प्रश्न काल चलने दीजिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : मैं नायडू साहब से बोल रहा हूं।

माननीय अध्यक्ष : उन तक बात पहुंच गयी है।

â€¦(व्यवधान)

प्रो. सौगत राय (दमदम) : मैडम, हम खड़गे जी की बात का पूरी तरह से समर्थन करते हैं।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : हर कोई इस पर नहीं बोलेगा। यह कोई विषय नहीं है।

â€¦(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : एक चींटी भी शक्तिमान हाथी को परेशान कर सकती है, इसलिए हम लोगों को कमजोर मत समझिए। कुछ भी होता है, यह ठीक नहीं है।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : मुलायम सिंह जी, आप सभी मत बोलिए। मैंने आप सभी की भावना को समझ लिया है। हम इस पर बिज़नेस एडवाइज़री कमेटी में बात कर लेंगे।

â€¦(व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव (आज़मगढ़) : महोदया, हम लोगों को आपका संरक्षण मिलना चाहिए।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : मैं सदन की भावना को समझ गयी हूं।